मध्य प्रदेश में शिशु मृत्यु दर सबसे अधिक

चर्चा में क्यों?

राज्य **विधानसभा** में उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री **राजेंद्र शुक्ला** द्वारा प्रस्तुत आँकड़ों के अनुसार, मध्य प्रदेश में **शिशु मृत्यु दर (IMR)** भारत में सबसे अधिक है, जहाँ प्रति 1,000 नवजात शिशुओं में से 40 की मृत्यु राज्य में होती है।

मुख्य बिंदु

- भारत के महापंजीयक के नवीनतम **नमूना पंजीकरण प्रणाली (SRS) 2022** के आँकड़ों के अनुसार, मध्य प्रदेश का **IMR (40)** न केवल राष्ट्रीय औसत (26) से ऊपर है, बल्कि सभी राज्यों में सबसे अधिक है।
- इस समस्या से निपटने के प्रयास में, सरकार ने विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं और पहलों के लिये **110 करोड़ रुपए** आवंटित किये हैं, जिनमें **एनीमिया मुक्त भारत**, **पोषण पुनर्वास केंद्र** तथा **जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम** जैसे कार्यक्रम शामिल हैं।
- **शिशु मृत्यु के कारण:** मध्य प्रदेश में शिशु मृत्यु के प्राथमिक कारणों में **समय से पहले जन्म**, **निमोनिया**, **सेप्सिस**, **जन्म के समय कम वज़न**, **जन्म के समय श्वासावरोध** और **दस्त** शामिल हैं।
- सरकार ने शिशु मृत्यु दर को कम करने के अपने प्रयासों में इन कारकों को प्रमुख **लक्षित क्षेत्रों** के रूप में सूचीबद्ध किया है।

मध्य प्रदेश की ग्राम पंचायतों में मातृ एवं शिशु मृत्यु शून्य

- स्वतंत्रता दिवस पर, मध्य प्रदेश **राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (MP-NHM)** ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य देखभाल में उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त करने वाले ज़मीनी स्तर के स्वास्थ्य कार्यकर्त्ताओं और सामुदायिक नेताओं के उत्कृष्ट प्रयासों को मान्यता दी।
- **ढकोनी में शून्य मृत्यु की उपलब्धि:** 8,107 की आबादी वाली **ढकोनी ग्राम पंचायत** ने लगातार दो वर्षों तक मातृ एवं शिशु मृत्यु की शून्य रिपोर्ट सफलतापूर्वक दर्ज की।
- **गरौली ग्राम पंचायत (छतरपुर) में प्रयास:** इसी प्रकार, छतरपुर जिले के **नौगाँव ब्लॉक** में **गरौली ग्राम पंचायत**, जिसकी जनसंख्या 6,598 है, में भी दो वर्षों में मातृ एवं शिशु मृत्यु शून्य रही।
- **रतलाम में संस्थागत प्रसव:** रतलाम ज़िले में, **बाजना ब्लॉक** के **रावटी PHC** ने वर्ष 2024-25 के लिये संस्थागत प्रसव में अग्रणी के रूप में उभरकर अपनी पहचान बनाई।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/highest-infant-mortality-rate-in-mp